हिन्दी पेपर – 3 उत्तर

प्रश्न–1 ;25 ग 3 त्र 75द्ध

1) भाषा के मानकीकरण का दोष बताईये?

उत्तरः– भाषा के मानकीकरण से भाषा में स्थिरता आती है जो भाषा के विकास को अवरूद्ध करती है।

2) हिन्दी भाषा के क्षेत्र में पं. कामता प्रसाद गुरू के योगदान पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तरः– पं. कामता प्रसाद गुरू का संबंध नागरी प्रचारिणी सभा से था। सुप्रसिद्ध आलोचक महावीर प्रसाद द्विवेदी के आग्रह पर गुरू जी ने हिन्दी का पहला प्रमाणित व्याकरण संकलित किया था।

3) व्याकरण किसे कहते हैं?

उत्तरः– शुद्ध भाषा के लेखन व उच्चारण संबंधी नियमों का बोध कराने वाली शाखा व्याकरण कहलाती है।

4) मात्रा किसे कहते हैं?

उत्तरः– स्वरों के प्रतिनिधी रूप जिनसे व्यंजनों का उच्चारण हो पाता है मात्रा कहलाते हैं।

उदाहरण :– क्र + अ त्र क
क्र + इ त्र कि

5) संयुक्त स्वर से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः– वे स्वर जो दो भिन्न स्वर वर्णों के मेल से बनते है संयुक्त स्वर कहलाते हैं।

उदाहरण :– अ + उ त्र ओ
अ + ए त्र ऐ

6) विसर्ग संधि के कोई तीन उदाहरण लिखिए।

उत्तरः– अधः + गति त्र अधोगति
पुनः + आर्वति त्र पुनअर्विति
अंतः + ध्यान त्र अंतर्धान

7) भाववाचक संज्ञा समझाइये?

उत्तरः– किसी भाव गुण दशा आदि का ज्ञान कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

उदाहरणः– गुरूत्व, वीरता, दूरी आदि।

8) व्यक्तिवाचक संज्ञा का जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग का कोई उदाहरण लिखिए?

उत्तरः– देश को हानि जयचंदों से हाती है।

9) हिन्दी व्याकरण में कितने लिंग वर्णित हैं? उनके नाम लिखिए?

उत्तर :– हिन्दी व्याकरण में दो लिंग वर्णित हैं–

(प) पुर्लिंग
(पप) स्त्रीलिंग

10) वचन से क्या अभिप्राय हैं?

उत्तरः– वचन का अभिप्राय संख्या है। किसी शब्दों के जिस रूप से उनकी संख्या की पहचान/ बोध हो वचन कहलाते हैं।

उदाहरणः– घोड़ा, चश्मा
घोड़े, चश्मे

11) कारक क्या होते हैं?

उत्तरः– संज्ञा अथवा सर्वनाम का वाक्य के अन्य पदों से जो संबंध होता है उसे कारक कहते हैं।

उदाहरण :– राम **ने** उसे मारा।

12) संबंध कारक का कोई उदाहरण दीजिए?

उत्तर :– राघव **का** घर

13) प्रश्नवाचक सर्वनाम को उदाहरण सहित समझाइये?

उत्तर :– प्रश्न करने के लिए प्रयुक्त होने वाले सर्वनाम शब्दों को प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरणः– वह क्या कह रहा था?

14) हिन्दी व्याकरण में कितने पुरूष बताऐ गए हैं?

उत्तर :– प्रथम पुरूष – मैं, हम
मध्यम पुरूष – तुम, आप
अन्य पुरूष – यह, वह

15) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण समझाईये?

उत्तर :– वे विशेषण जो अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं।

उदाहरण :– कुछ लोग आए थे।

16) सहायक क्रिया क्या होती हैं?

उत्तर :– सहायक क्रिया मुख्य क्रिया के साथ प्रयुक्त होकर अर्थ को स्पष्ट एवं पूर्ण करने में सहायता करती है।

17) काल के तीन भेद बताईये?

उत्तरः— (प) वर्तमान काल
(पप) भूतकाल
(पपप) भविष्य काल

18) कर्मवाच्य किसे कहते हैं?

उत्तरः— क्रिया के उस रूपांतरण को कर्मवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध होता है।

उदाहरणः— गीत गाया गया।

19) संबंधबोधक अव्यय किन्हें कहते हैं?

उत्तरः— वे अव्यय जो किसी संज्ञा के बाद आकर उस संज्ञा का संबंध वाक्य के दूसरे शब्द से दिखाते ळें

20) समास के छः भेद लिखिए?

उत्तरः— (प) अव्यवी भाव
(पप) बहुव्रीह
(पपप) द्वंद
(पअ) द्विगु

21) विस्मयादिबोधक शब्द कौन से होते हैं?

उत्तरः— वे अव्यय जिनसे हर्ष, शोक, घृणा आदि भाव व्यंजित होते है तथा जिनका संबंध किसी भी पद से नहीं होता, विस्मयायदिबोधक शब्द कहलाते हैं।

उदाहरणः— वाह! छिः ! ओहो!

22) क्रिया विशेषण से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः— जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण :— वह **तेज** दौड़ता है।

23) समुच्चय बोधक अव्यय क्या होते हैं?

उत्तरः— दो वाक्यों को परस्पर जोड़ने वाले शब्द समुच्चय बोधक अव्यय कहलाते हैं।

उदाहरण :— और, अथवा

24) अकर्मक क्रिया को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः— अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता है।

उदाहरणः— मीरा रोती है।

25) (प) नेत्री
(पप) लड़का
(पपप) गायिका

उपर्युक्त शब्दों के लिंग बदलिए।

उत्तर :– (प) नेता
(पप) लड़की
(पपप) गायक

प्रश्न–2 अलंकार संबंधित प्रश्न –

1) ''हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग
लंका सारी जल गई गए निशाचर भाग।''

अलंकार पहचानिए?

उत्तर :– अतिशियोक्ति अलंकार।

2) ''सिर फट गया उसका वहीं, मानो अरूण रंग का घड़ा हो।''

अलंकार पहचानिए?

उत्तरः– उत्प्रेक्षा अलंकार

3) उपमान से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः– उपमेय की उपमा जिसे दी जाती है उसे उपमान कहते हैं।

4) रूपक अलंकार का कोई उदाहरण लिखिए।

उत्तरः– पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

5) ''कल्पना सी अतिशय कोमल।''

अलंकार पहचानिए।

उत्तरः– लुप्तोतमा अलंकार।

6) ''चारू चंद्र की चंचल किरणें''

अलंकार पहचानिए।

उत्तर :– अनुप्रास अलंकार।

7) जब किसी वाक्य में किसी शब्द का दो बार प्रयोग किया जाता है, कौन सा अलंकार कहलाता हैं? उदाहरण दीजिए।

उत्तरः– पुनोरोक्ति प्रकाश अलंकार

उदाहरण :– मधुर वचन कहि–कहि परितोषी।

8) ''तो पर वारौं उरबसी, सुनि रूधिके सुजान

तू मोहन के उर बसी है उरबसी समान।''

अलंकार पहचानिऐे।

उत्तरः– यमक अलंकार।

9) ''जे रहीम गति दीप की कुल कपूत गति सोए। बारे उजियारो करे, बढ़े अंधेरो होए।''

अलंकार पहचानिए।

उत्तर :– श्लेष अलंकार।

10) अलंकारों के वर्गीकरण को समझाईये।

उत्तरः– अलंकारों को दो भागों में वर्गीकृत किया गया है –

(प) शब्दालंकार
(पप) भावालंकार

प्रश्न–3 निम्नलिखित वाक्यों को हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

1) कल संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक होगी।
2) भारत ने दी पाकिस्तान को चेतावनी।
3) वह बहुत अच्छा टेनिस खेलता है।
4) देश में आपातकाल जैसे हालात।
5) धोनी खेलेंगे अपना आखिरी मैच।
6) He is a great admirer of arts.
7) She is a cleaver lawyer.
8) They are singing.
9) I am not coming there.
10) Rahul is teaching.

उत्तरः– 1) Tomorrow will be meeting of United Nations Organization.
2) India warned Pakistan.
3) He Plays tennis very well.
4) Emergency like situation in country!
5) Dhoni will play his last match.
6) वह कलाओं का बड़ा प्रशंसक हैं।
7) वह एक चतुर वकील है।
8) वे गा रहे हैं।
9) मैं वहाँ नहीं आ रहा।
10) राहुल पढ़ा रहा है।

प्रश्न–4 हिन्दी व्याकरण से संबंधित प्रश्न–

1) अरे! ये क्या हो गया!..... में कौन सा विराम चिन्ह प्रयोग किया है?

उत्तरः– विस्मयादिबोधक चिन्ह।

2) ''ईद का चाँद'' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :–

3) ''सूत ना कपास, जुलाहों में लट्ठम'' लोकोक्ति का अर्थ बताईये।

उत्तरः– बेवजह/अकारण विवाद होना।

4) ''मेरे को जाना है'' – का शुद्ध रूप लिखिए।

उत्तरः– मुझे जाना है।

5) ''प्रतिसोध'' की शुद्ध वर्तनी लिखिए।

उत्तरः– प्रतिशोध।

6) वे बोले – हमें आप पर गर्व है .... विराम चिन्ह लगाईये।

उत्तरः– वे बोले – ''हमें आप पर गर्व है।''

7) सम्मान का विलोम शब्द लिखिए।

उत्तरः– अपमान।

8) ''निस्संकोच'' शब्द में कौन सी संधि है?

उत्तरः– विसर्ग संधि।

9) ''राजा–रानी'' में समास पहचानिये।

उत्तरः– द्वंद समास।

10) ''पीला है अंबर जिसका'' – अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

उत्तरः– पीतांबर।

प्रश्न–5

1) ^मबनसंतपेउ का हिन्दी अर्थ लिखिए।

उत्तरः– पंथनिरपेक्षता।

2) प्रौद्योगिकी का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

उत्तरः– ज्मबीदवसवहल

3) पानी शब्द के पर्यायवाची लिखिए।

उत्तरः– जल, नीर

4) क्पचसवउंज का हिन्दी अर्थ लिखिए।

उत्तर :– राजनायिक।

5) भूगर्भशास्त्र का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

उत्तर :– ळमवसवहल

6) धनवान का विलोम शब्द लिखिए।

उत्तरः– निर्धन।

7) ''हाथ कंगन को आरसी क्या?'' अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः– प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती।

8) ''कर'' शब्द के दो विभिन्न अर्थ लिखिए।

उत्तरः– कर – टैक्स

कर – हाथ

9) म्गजतमउपेउ का हिन्दी अर्थ लिखए।

उत्तरः– उग्रवाद।

10) जनजाति का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

उत्तरः– ज्तपइम

प्रश्न 6. गद्यांश

फ्रांस के प्रसिद्ध दार्शनिक रोमरोलां ने कहा था कि पूर्व में एक भयंकर आग लगी है जो की वहाँ के अंध विश्वाश एवं कुरीतियों* रूपी झाड़-झखाड़ो को दग्ध* करती हुई शीघ्र ही पाश्चात्य को भी अपनी चपेट में लेने वाली है| रोमरोलां का संकेत* स्पष्ट रूप से दयानन्द सरस्वती की और था जो कि भारतीय जन-जागरण के पुरोधा* के रूप में उभरकर सामने आए थे |

प्रश्न 1. तारांकित (तारों के निशान वाले) शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए |

उत्तर :–

1ण दार्शनिक दृ दर्शन दृ शास्त्र का ज्ञाता

2ण दग्ध दृ जला / झुलसा का ज्ञाता

3ण संकेत दृ इशारा

4ण पुरोधा दृ पुरोहित

5ण कुरीतियों दृ बुरी रीतियाँ

प्रश्न 7) पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए –

''नर होए न निराश करो मन को

प्रश्न–8 गद्यांश का संक्षेपण कीजिए।

पृथ्वी माता है, मैं उसका पुत्र हूँ। यही स्वराज्य की भावना है। जब प्रत्येक व्यक्ति जिस पृथ्वी पर उसका जन्म हुआ है, उसे अपनी मातृभूमि समझने लगता है, तो उसका मन मातृभूमि से जुड़ जाता है। मातृभूमि उसके लिए देवता हो जाती है। उसके ह्दय के भाव मातृभूमि के हृदय में जा मिलते है। जीवन में चाहे जैसा अनुभव हो, वह मातृभूमि से द्रोह की बात नहीं सोचता, मातृभूमि के प्रति जब यह भाव दृढ़ होता है, वहीं से सच्ची राष्ट्रीय एकता का जन्म होता है। उस स्थिति में मातृभूमि पर बसने वाले नागरिकगण एक–दूसरे से सौदा करने या शर्त तय करने की बात नहीं सोचते। मातृभूमि के प्रति अपने कर्त्तव्य की बात सोचते हैं।

संक्षिप्तीकरण– जब व्यक्ति अपनी मातृभूमि से माता के समान प्रेम करता है तब राष्ट्रीयता का जन्म होता है। मातृभूमि के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करते हुए वह कभी उसके प्रति कृतघ्नता का व्यवहार नहीं करता।